Tc.No. : GUJHIN00722

पेज: 4, मुल्य 1 रु.

क्रांति समय

संस्थापक / संपादक : सुरेश मौर्या

E-mail: krantisamay@gmail.com, www.krantisamay.com

वर्ष: 1 अंक: 25 , 15 अक्टुबर, रविवार 2017, सूरत, हिन्दी दैनिक 9879141480 4 ओ ब्लॉक आगम नवकार कॉम्प्लेक्ष, सचीन रेल्वे स्टेशन के पास, सूरत-गुजरात

सार समाचार

गौरी लंकेश मर्डर :

एसआईटी ने जारी किए संदिग्ध हमलावरों के स्केच

नई दिल्ली। वरिष्ठ पत्रकार गौरी लंकेश की हत्या की जांच कर रही पुलिस की स्पेशल इंवेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने तीन संदिग्धों के स्केच जारी कर दिए हैं। एसआईटी का कहना है कि इस मामले में उसने करीब 200 से 250 लोगों से पूछताछ की है। सूत्रों ने दावा किया कि उसने प्रत्यक्षदर्शियों से प्राप्त जानकारी के आधार पर ये स्केच बनाए हैं और इस मामले की तह तक जाने की इस पर लोगों के सहयोग की जरूरत है। स्केच जारी करते हुए एसआईटी ने कहा, इस हत्या में शामिल दो संदिग्धों की पहचान कर ली गई है। ये स्केच इसलिए समान लग रहे हैं क्योंकि अलग-अलग चश्मदीदों के आधार पर दो आर्टिस्ट ने इन्हें तैयार किया है। एसआईटी ने आरोपियों को पकड़ने के लिए मदद मांगी है। दावा किया जा रहा है कि दोनों स्थानीय निवासी हैं।

पुलवामा एनकाउंटर:

सेना और स्थानीय लोगों में झड़प और पत्थरबाजी, एक की मौत, 3 घायल

श्रीनगर। शनिवार को जम्मू कश्मीर के पुलवामा में सेना और सुरक्षाबलों के साथ एनकाउंटर में लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकी ढेर हो गए। इनमें से एक आतंकी वसीम शाह, लश्कर का कमांडर था और एक आतंकी का नाम हाफिज निसार था। शनिवार सुबह से ही लश्कर आतंकियों के साथ मुठभेड़ शुरू हो गई थी। इस मुठभेड़ के बाद पुलवामा में सुरक्षाबलों और स्थानीय लोगों के बीच झड़प की खबरें हैं।

चलाया गया ज्वॉइन्ट ऑपरेशन

जम्मू कश्मीर पुलिस के आईजी मुनीर खान ने एनकाउंटर के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस, सेना और सीआरपीएफ को इलाके में लश्कर के दो आतंकियों के बारे में पुख्ता इंटेलीजेंस मिली थी। इसके बाद एक ज्वॉइन्ट ऑपरेशन लॉन्च किया गया। उन्होंने बताया कि लश्कर के जिस आतंकी वसीम शाह को मारा गया है, वह काफी खतरनाक आतंकी था। मुनीर खान के मुताबिक वसीम शाह का मारा जाना एक बड़ी सफलता है क्योंकि वह लश्कर के लिए कैडर्स की भर्ती करता था। उन्होंने बताया कि दोनों ही आतंकियों को पहले सरेंडर करने के लिए कहा गया था लेकिन सरेंडर करने की बजाय उन्होंने सेना पर गोलियां बरसानी शुरू कर दी। इसके बाद सेना की ओर से कार्रवाई की गई और दोनों को मार गिराया गया।

सोशल मीडिया के जरिए आतंकियों की भर्ती

आईजी मुनीर खान ने बताया कि एनकाउंटर के दौरान स्थानीय लोगों की ओर से सुरक्षाबलों पर पत्थर फेंके गए। इस वजह से सुरक्षाबलों को गोलियां चलानी पड़ गई और झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इस घटना में दो लोग घायल हुए हैं। आईजी मुनीर खान ने यह भी कहा कि आतंकियों ने साउथ कश्मीर के युवाओं को लालच देने के लिए सोशल मीडिया का दुरुपयोग किया है और इस बात में कोई शक नहीं है।

चोरी के तीन दिन बाद गाजियाबाद से मिली सीएम केजरीवाल की वैगन आर

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की नीले रंग की वैगन आर कार जो तीन दिन पहले चोरी हो गई थी, वह आखिरकार मिल गई है। इस कार को पुलिस ने गाजियाबाद के मोहन नगर से बरामद किया है। दिल्ली सचिवालय के बाहर हुई चोरी की इस घटना में पुलिस को एक सीसीटीवी फुटेज भी मिला है। फिलहाल यह कार आप पार्टी की एक महिला कार्यकर्ता इस्तेमाल कर रही थी। आईपी स्टेट पुलिस ने मामला दर्ज कर इसकी छानबीन शुरू की थी। पुलिस उपायुक्त मंदीप सिंह रणधावा ने बताया कि फिलहाल इस कार को एक महिला कार्यकर्ता वंदना इस्तेमाल कर रही थी। वह आप पार्टी की मीडिया सेल में हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि दोपहर लगभग डेढ़ बजे वह कार को सचिवालय के बाहर खड़ा कर अंदर गई थीं। कुछ देर बाद वह जब बाहर लौटीं तो देखा कि वहां से गाड़ी गायब थी। वंदना ने पहले आसपास गाड़ी को तलाशा, लेकिन जब नहीं मिली तो मामले की शिकायत पुलिस से की। मौके पर पहुंची पुलिस ने जब इस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला तो दोपहर लगभग दो बजे इस कार को वहां से जाते हुए देखा।

आंदोलन की जांच के लिए बनी कमेटी ने दी जानकारी

मुरथल में हुआ था नौ महिलाओं के साथ गैंगरेप,

जींद। जाट हिंसा के दौरान हरियाणा के मुरथल में हुए सामूहिक दुष्कर्म मामले में एमिकस क्यूरी नियुक्त किए गए वरिष्ठ अधिवक्ता अनुपम गुप्ता ने मामले की जांच सीबीआई को सौंपे जाने की अपील की है। उन्होंने शुक्रवार को पंजाब हरियाणा हाईकोर्ट को बताया कि जाट हिंसा के दौरान गैंगरेप की कुल नौ घटनाएं हुई थीं।

एमिकस क्यूरी ने न्यायालय से अनुरोध किया है कि वह फरवरी 2016 में सोनीपत के मुरथल में हुए गैंगरेप मामलों की पड़ताल केंद्रीय जांच एजेंसी को सौंप दे। सुनवाई के दौरान अनुपम गुप्ता ने बताया है कि जाट आरक्षण आंदोलन के दौरान 22 और 23 फरवरी 2016 की रात को मुरथल में नौ गैंगरेप हुए थे। इसकी जानकारी जाट आरक्षण आंदोलन की जांच के लिए गठित प्रकाश सिंह कमेटी के सदस्य आईएएस विजय वर्धन से मिली है। विजय वर्धन को यह

जानकारी कमेटी के दूसरे सदस्य हरियाणा के पूर्व डीजीपी केपी सिंह ने दी थी। एमिकस क्यूरी ने कोर्ट को बताया है कि मुरथल गैंगरेप मामले को लेकर हरियाणा सरकार का रुख नकारात्मक है और सरकार यह साबित करने में लगी हुई है कि यहां ऐसी कोई घटना नहीं हुई है।

हरियाणा पुलिस के मुताबिक, मुरथल गैंगरेप मामले में अभी तक कोई पीड़ित सामने नहीं आया है, ऐसे में जांच आगे नहीं बढ़ रही है। गुप्ता ने सुखदेव ढाबा के मालिक अमरीक सिंह का उदाहरण देते हुए बताया कि उसे घटना की पूरी जानकारी थी, लेकिन उसने जांच कर रही एसआईटी के सदस्यों को कुछ भी नहीं बताया। अनुपम ने कहा कि राज्य सरकार मुरथल गैंगरेप मामले की जांच सीबीआई से कराने का विरोध कर रही है, लेकिन वह आंदोलन के दौरान सरकार के वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु के घर और मुनक नहर में की गई तोड़फोड़ की जांच सीबीआई के हवाले कर चुकी है।

921 मामलों में प्रगति नहीं

एमिकस क्यूरी ने कहा, जाट आरक्षण आंदोलन के दौरान पूरे हरियाणा में मुरथल गैंगरेप सहित 1212 एफ आईआर दर्ज की गई थी। इनमें से 921 मामलों में अनट्रेस रिपोर्ट तैयार की गई है, जबकि 184 मामलों में रिपोर्ट तैयार ही नहीं हुई और केवल 173 लोगों को गिरफ्तार किया गया जिनमें 81 मामलों में चालान पेश किया गया है। गैंगरेप के आरोपी डेढ़ साल बाद भी पकड़ से बाहर हैं।

दिवाली पर कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्र रहेंगे बंद

दिवाली पर दिल्ली क्षेत्र में सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण कार्यालय दोपहर दो बजे से रात 10 बजे तक बंद रहेंगे। इस दौरान आईआरसीए आरक्षण परिसर, दिल्ली/पीआरएस तथा हजरत निजामुद्दीन/ पीआरएस में आवश्यक सेवाएं सांय 6.00 बजे तक उपलब्ध रहेंगी। उत्तर रेलवे के प्रवक्ता के मुताबिक दीपावली पर पार्लियामेंट हाउस, प्रेस क्लब, सुप्रीम कोर्ट, दिल्ली विविद्यालय, जवाहर लाल नेहरू विविद्यालय, आईआईटी, तीस हजारी, हाई कोर्ट, कशमीरी गेट एवं रेलवे बोर्ड स्थित आरक्षण केंद्र पूरे दिन के लिए बंद रहेगा। इसके अलावा उस दिन सांय की शिफ्ट में दिल्ली मंडल के आरक्षण केंद्रों में आनंद विहार टर्मिनल, साहिबाबाद, न्यू गाजियाबाद, गुड़गांव, पालम, दिल्ली छावनी, दिल्ली सराय रोहिल्ला, फरीदाबाद, बल्लभगढ़, पलवल, नरेला, सोनीपत, पानीपत, करनाल, कुरूक्षेत्र, कैथल, जींद, मनसा, रोहतक, बहादुरगढ़, नांगलोई, शामली, मुरादनगर, मोदीनगर, मेरठ कैंट, मेरठ सिटी, मुजफ्फरनगर, खतौली, देवबंद, बड़ौत, गौहाना, पटौदी रोड, झज्जर, ग्रेटर नोएडा तथा महम टाऊन के आरक्षण केंद्र बंद रहेंगे।

तीन पुलिसकर्मियों के वीरता पदक वापस लिए गए

नई दिल्ली। भ्रष्टाचार और अन्य मामलों में दोषी पाए जाने के बाद तीन पुलिसकर्मियों को दिए गए वीरता पदक को वापस ले लिया गया है। गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि मध्य प्रदेश के पूर्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र चौधरी, पंजाब पुलिस के उपनिरीक्षक गुरमीत सिंह और झारखंड पुलिस के उपनिरीक्षक ललित कुमार का पदक वापस लिया गया है। अधिकारी के मुताबिक धर्मेंद्र चौधरी को दिया गया वीरता पदक सितंबर में वापस लिया गया, ललित कुमार का जून में और गुरमीत सिंह का पदक मई में वापस लिया गया। चौधरी पर कथित तौर पर फर्जी मुठभेड़ को अंजाम देने का आरोप था। मुठभेड़ पर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने जांच के निर्देश दिए थे।

गुरमीत सिंह को 1997 में राज्य सरकार की अनुशंसा पर वीरता पदक दिया गया। उनपर हत्या का मुकदमा चला और 2006 में उन्हें आजीवन कारावास की सजा दी गई। केंद्रीय गृह मंत्रालय को जुलाई 2015 में उनको दी गई सजा के बारे में पता चला।

पीएम बनने के अलावा विकल्प नहीं थाः मनमोहन सिंह

नई दिल्ली। संप्रग सरकार में लगातार दो बार प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने शुक्रवार को कहा कि उनके पास प्रधानमंत्री बनने के फैसले पर विचार के लिए विकल्प ही नहीं था। उन्होंने ये बातें पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की पुस्तक के विमोचन मौके पर कही।

तीन मूर्ति सभागार में पूर्व राष्ट्रपति की पुस्तक 'द कोलिशन ईयर्स' के विमोचन मौके पर मनमोहन सिंह ने कहा कि उनकी इस स्थिति से प्रणब मुखर्जी भलीभांति परिचित थे।

मनमोहन सिंह ने वर्ष 2004 में अपने प्रधानमंत्री बनने का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने उन्हें इस पद के लिए चुना और प्रणबजी मेरे बहुत ही प्रतिष्ठित सहयोगी थे। उनके (मुखर्जी के) पास यह शिकायत करने के सभी कारण थे कि मेरे प्रधानमंत्री बनने की तुलना में वह इस पद के लिए अधिक योग्य हैं।

वे इस बात को भी अच्छी तरह जानते थे कि मेरे पास इसके अलावा कोई विकल्प नहीं था। उनकी इस टिप्पणी पर प्रणब मुखर्जी और मंच पर बैठे कांग्रेस नेताओं के साथ पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी भी हंस पड़ीं।

राजनीतिक यात्रा समझने का प्रयास : मुखर्जी

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने कहा कि उन्होंने अपनी पुस्तक 'द कोलिशन ईयर्स' में राजनीतिक कार्यकर्ता की नजर से 1996-2004 तक की लंबी राजनीतिक यात्रा को समझने और समीक्षा का प्रयास किया है।

उन्हें संसद में लंबा अनुभव रहा है और देश के कई बड़े नेताओं को सुनने का मौका मिला। प्रणब ने कहा कि यह पुस्तक किसी इतिहासकार की नजर से नहीं बल्कि एक राजनीतिक कार्यकर्ता के नजरिये से लिखी गई है।

अस्पतालों में फीवर के 1067 बेड, आधे से ज्यादा खाली

नई दिल्ली। मच्छर जनित बीमारियों को लेकर दिल्ली सरकार ने राहत की सांस ली है। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन की माने तो दिल्ली में पिछले कुछ वर्षों की तुलना में इस बार मच्छरों का प्रकोप कम देखने को मिल रहा है। इनकी वजह से होने वाली बीमारियों भी लोगों को कम परेशान कर रही हैं।

इस साल डेंगू से केवल एक मौत हुई है और अस्पतालों में इस समय करीब 65 फीसद बेड खाली पड़े हैं। शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री जैन ने यह जानकारी देते हुए बताया कि फीवर वार्ड को लेकर दिल्ली के लगभग 38 अस्पतालों में कुल 1067 बेड आरक्षित किए गए थे जिसमें 35 फीसद बेड ही फुल चल रहे हैं। इसके अलावा 9 अक्टूबर तक दिल्ली में डेंगू से 2152 मरीज ग्रस्त पाए गए जबकि बाहरी

*** स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने दिया बड़ा बयान**

*** अस्पतालों को किया अलर्ट, जनवरी में स्वाइन फ्लू देगा दस्तक**

मरीजों की संख्या 2393 अलग से है। पिछले साल दिल्ली में चिकनगुनिया का आतंक था, लेकिन अबकी बार 368 मरीज ही दर्ज किए गए हैं।

जैन ने कहा कि बीमारियों के इन आंकड़ों को बेहतर स्थिति बताते हुए कहा कि मौसम से पहले ही सरकार सतर्क हो गई थी। स्कूलों में अभियान चलाए गए। करीब 70 से ज्यादा प्रशिक्षण शिविर भी सरकार ने जगह-जगह आयोजित कराए थे, जिसमें लोगों को मच्छर जनित बीमारियों से बचाव के तरीके बतलाए गए थे।

गुजरात पर कसा तंज : उन्होंने कहा कि गुजरात और दिल्ली में काफी अंतर है। अगर वहां 400 मरे हैं तो दिल्ली में 4 की मौत बराबर है। दिल्ली की सरकार किसी भी लापरवाही को बर्दाश्त नहीं कर सकती।

सभी अस्पतालों को स्वाइन फ्लू को लेकर अलर्ट पर रखा गया है। जनवरी के आसपास हर साल फ्लू के केस दिखाई देते हैं। इसलिए तमाम तैयारियां भी पूरी कर ली गई हैं।

मरीजों के साथ किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जा सकती। 9 अक्टूबर तक दिल्ली में स्वाइन फ्लू के 2198 मरीज पीड़ित हैं, जिसमें से 8 लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि दिल्ली के अस्पतालों में उपचार करा रहे बाहरी राज्यों के स्वाइन फ्लू मरीजों की संख्या करीब 620 है, इनमें 4 लोगों की मौत भी हो चुकी है।

लालू बोले, भाजपा का 'विकास' पैदा ही नहीं हुआ, तो मरेगा कैसे

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के 'विकास' के नारे पर तंज कसा है। लालू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पटना की एकदिवसीय यात्रा पर पहुंचने से पहले ट्विटर के जरिए भाजपा पर यह तंज कसा। लालू प्रसाद ने ट्विटर के एक यूजर के ट्वीट को रीट्वीट करते हुए लिखा, जो पैदा ही नहीं हुआ है, वह मरेगा क्या, इसलिए कि सका 'दुख' (आरआईपी)। उल्लेखनीय है कि ट्विटर के एक यूजर ने लालू से भाजपा के खिलाफ चलाए जा रहे एक 'हैशटैग' को रीट्वीट करने का अनुरोध किया था। लालू ने यूजर की बात तो मानी ही, साथ ही अपनी तरफ से इस कटाक्ष पर एक पंक्ति और जोड़ दी।

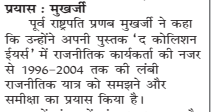

गौरतलब है कि भाजपा के 'विकास' को लेकर विपक्ष 'विकास पागल हो गया है' लालू प्रसाद भी सोशल मीडिया के जरिए भाजपा और प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को पटना विश्वविद्यालय के शताब्दी समारोह में हिस्सा लेने के साथ ही नवादा में करीब 3,700 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास करेंगे।

फैसले से हताश कारोबारी बोले, बर्बाद हो जाएंगे

फैसले से हताश कारोबारी बोले, बर्बाद हो जाएंगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पटाखों की बिक्री को लेकर राहत नहीं दिये जाने के बाद थोक कारोबारी हताश व भारी तनाव में हैं। उनका कहना है कि कोर्ट के आदेश के बाद पिछले दिनों जब लाइसेंस मिला था तो इन लोगों ने यह सोच का ज्यादा माल मंगवा लिया था कि इस बार कम लोगों को ही लाइसेंस जारी होगा, लिहाजा डिमांड ज्यादा होगी,लेकिन हुआ उल्टा। फायरवर्क ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता ने कोर्ट द्वारा याचिका खारिज किये जाने के बाद कहा कि हम बहुत निराश हैं। उन्होंने कहा कि थोक कारोबारियों को भारी नुकसान होगा, लेकिन कर क्या सकते हैं। उनका कहना है कि सबसे बड़ी मुसीबत गोदाम में रखे पटाखे को ठिकाने लगाने की है। एक अन्य थोक कारोबारी ने कोर्ट के निर्णय पर कोई प्रतिक्रिया देने के बजाय सिर्फ इतना ही कहा है कि हम बर्बाद हो गए। लाखों रुपए कर्ज लेकर माल मंगवाया था, अब समझ में नहीं आ रहा है कि क्या करें। सदर बाजार में इस बार करीब 24 दुकानदारों को पटाखे बेचने के लाइसेंस मिले थे। जबकि पूरी दिल्ली में करीब 250 लाइसेंस मिलने की बात पटाखा कारोबारियों द्वारा कही जा रही है।

पटाखों से होता है सिर्फ चार फीसद प्रदूषण:

दिल्ली व्यापार महासंघ के अध्यक्ष देवराज बवेजा ने कहा कि पटाखा कारोबारी भारी दबाव में हैं। भारी आर्थिक नुकसान के साथ-साथ गोदामों में रखे पटाखों को किस तरह से कहा खपाया जाय इसकी चिंता उन्हें सता रही है। पर्यावरण कमेटी का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि इस कमेटी ने जो रिपोर्ट दी है उसके अनुसार पटाखों से सिर्फ चार फीसद प्रदूषण होता है। शेष 96 फीसद अन्य कारण हैं। उन कारणों की ओर से भी ध्यान दिया जाना चाहिए।

राहत के लिए थोक कारोबारी प्रधानमंत्री को लिखेंगे पत्र :

पटाखा कारोबारियों के संगठन के अनुसार सुप्रीम कोर्ट के फैसले से राहत पाने के लिए वह लोग प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर इस मामले में आर्डिनेंस लाने की मांग करेंगे। इसके लिए कारोबारी कानूनी सलाह भी ले रहे हैं। सूत्रों के अनुसार यह लोग शनिवार को प्रधानमंत्री को पत्र भेज सकते हैं। कुछ लोग इस मामले में सरकार के सामने अपना पक्ष रखने के लिए प्रधानमंत्री से मिलने की भी कोशिश में लगे हैं।

सादी वर्दी में घूम रही पुलिस :

सुप्रीम कोर्ट द्वारा शुक्रवार कोपटाखा कारोबारियों की याचिका खारिज किये जाने के बाद सदर बाजार इलाके में दिल्ली पुलिस, क्राइम ब्रांच के कर्मचारी सादी वर्दी में घूम रहे हैं। पटाखा करोबारियों का कहना है कि पीछे के दरवाजे व ऑन लाइन पटाखा बेचने की बात सोचनी तो दूर की बात है, जिस दुकान व गोदाम में पटाखा रखा है उसे खोलने से भी डर लग रहा है। न जाने सादी वर्दी में कौन कब उन्हें पकड़ ले। चोर दरवाजे से पटाखे बेचे जाने के खंडन : इस बीच दोपहर से पहले कुछ एक जगहों पर पटाखा बेचे जाने के बारे में पता चला, लेकिन कोर्ट द्वारा याचिका खारिज किये जाने के बाद सदर बाजार इलाके में कही भी पटाखे बेचे जाने की कोई खबर नहीं है। दिल्ली व्यापार महासंघ ने भी कहा है कि सदर बाजार में कोई पटाखा नहीं बिक रहा है। संघ के अध्यक्ष देवराज बवेजा ने ऑन लाइन और पीछे के दरवाजे से पटाखा बेचे जाने की खबर का खंडन किया। सुप्रीम कोर्ट द्वारा पटाखों की बिक्री को लेकर राहत नहीं दिये जाने के बाद थोक कारोबारी हताश व भारी तनाव में हैं। उनका कहना है कि कोर्ट के आदेश के बाद पिछले दिनों जब लाइसेंस मिला था तो इन लोगों ने यह सोच का ज्यादा माल मंगवा लिया था कि इस बार कम लोगों को ही लाइसेंस जारी होगा, लिहाजा डिमांड ज्यादा होगी,लेकिन हुआ उल्टा। फायरवर्क ट्रेडर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नरेन्द्र गुप्ता ने कोर्ट द्वारा याचिका खारिज किये जाने के बाद कहा कि हम बहुत निराश हैं। उन्होंने कहा कि थोक कारोबारियों को भारी नुकसान होगा, लेकिन कर क्या सकते हैं। उनका कहना है कि सबसे बड़ी मुसीबत गोदाम में रखे पटाखे को ठिकाने लगाने की है। एक अन्य थोक कारोबारी ने कोर्ट के निर्णय पर कोई प्रतिक्रिया देने के बजाय सिर्फ इतना ही कहा है कि हम बर्बाद हो गए। लाखों रुपए कर्ज लेकर माल मंगवाया था, अब समझ में नहीं आ रहा है कि क्या करें। सदर बाजार में इस बार करीब 24 दुकानदारों को पटाखे बेचने के लाइसेंस मिले थे। जबकि पूरी दिल्ली में करीब 250 लाइसेंस मिलने की बात पटाखा कारोबारियों द्वारा कही जा रही है।

पटाखों से होता है सिर्फ चार फीसद प्रदूषण :

दिल्ली व्यापार महासंघ के अध्यक्ष देवराज बवेजा ने कहा कि पटाखा कारोबारी भारी दबाव में हैं। भारी आर्थिक नुकसान के साथ-साथ गोदामों में रखे पटाखों को किस तरह से कहा खपाया जाय इसकी चिंता उन्हें सता रही है। पर्यावरण कमेटी का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि इस कमेटी ने जो रिपोर्ट दी है उसके अनुसार पटाखों से सिर्फ चार फीसद प्रदूषण होता है। शेष 96 फीसद अन्य कारण हैं। उन कारणों की ओर से भी ध्यान दिया जाना चाहिए।

राहत के लिए थोक कारोबारी प्रधानमंत्री को लिखेंगे पत्र :

पटाखा कारोबारियों के संगठन के अनुसार सुप्रीम कोर्ट के फैसले से राहत पाने के लिए वह लोग प्रधानमंत्री को पत्र लिख कर इस मामले में आर्डिनेंस लाने की मांग करेंगे। इसके लिए कारोबारी कानूनी सलाह भी ले रहे हैं। सूत्रों के अनुसार यह लोग शनिवार को प्रधानमंत्री को पत्र भेज सकते हैं। कुछ लोग इस मामले में सरकार के सामने अपना पक्ष रखने के लिए प्रधानमंत्री से मिलने की भी कोशिश में लगे हैं।

सादी वर्दी में घूम रही पुलिस :

सुप्रीम कोर्ट द्वारा शुक्रवार कोपटाखा कारोबारियों की याचिका खारिज किये जाने के बाद सदर बाजार इलाके में दिल्ली पुलिस, क्राइम ब्रांच के कर्मचारी सादी वर्दी में घूम रहे हैं। पटाखा करोबारियों का कहना है कि पीछे के दरवाजे व ऑन लाइन पटाखा बेचने की बात सोचनी तो दूर की बात है, जिस दुकान व गोदाम में पटाखा रखा है उसे खोलने से भी डर लग रहा है। न जाने सादी वर्दी में कौन कब उन्हें पकड़ ले।

चोर दरवाजे से पटाखे बेचे जाने का खंडन : इस बीच दोपहर से पहले कुछ एक जगहों पर पटाखा बेचे जाने के बारे में पता चला, लेकिन कोर्ट द्वारा याचिका खारिज किये जाने के बाद सदर बाजार इलाके में कही भी पटाखे बेचे जाने की कोई खबर नहीं है। दिल्ली व्यापार महासंघ ने भी कहा है कि सदर बाजार में कोई पटाखा नहीं बिक रहा है। संघ के अध्यक्ष देवराज बवेजा ने ऑन लाइन और पीछे के दरवाजे से पटाखा बेचे जाने की खबर का खंडन किया।

यदि पुरुष के जीवन-विकास में स्त्री का आकर्षण विनाशकारी होता तो प्रकृति यह आकर्षण पैदा ही क्यों करती -राशपाल

चुनाव की घोषणा

परंपरा के अनुकूल लोग यह मान कर चल रहे थे कि चुनाव आयोग पर्वतीय राज्य हिमाचल प्रदेश और गुजरात विधान सभाओं के चुनाव की घोषणा एक साथ करेगा। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। गुजरात विधान सभा चुनाव की घोषणा बाद में होगी। आमतौर पर चुनाव आयोग कम अंतराल पर होने वाले विधान सभा चुनावों की तारीखों की घोषणा एक ही दिन करता था। यह राजनीतिक परंपरा रही है। इस बार चुनाव आयोग इस परंपरा का निर्वाह क्यों नहीं कर पाया, समझ के परे है। इस मसले पर कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि ऐसा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कहने पर किया जा रहा है। कांग्रेस के आरोप को एक सिरे से खारिज भी नहीं किया जा सकता। इसने वर्षों तक देश पर शासन किया है। हो सकता है कि कांग्रेस अपने पुराने अनुभवों के आधार पर इस तरह का आरोप लगा रही हो। फ़िर भी सहज विास नहीं होता कि चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था प्रधानमंत्री या केन्द्र सरकार के इशारे पर अपना काम करेगी। यह जरूर है कि लोकतंत्र में परंपराओं का विशेष महत्व होता है। किसी विशेष परिस्थिति में ही परंपराओं की अनदेखी की जानी चाहिए। हालांकि मुख्य चुनाव आयुक्त ने सफाई दी है कि गुजरात में बाढ़ के कारण सड़कें टूटी हैं और बचाव एवं राहत का कार्य चल रहा है। मतलब इन कारणों से गुजरात विधान सभा चुनाव की घोषणा बाद में जाएगी। लेकिन चुनाव आयोग की यह सफाई थोथी है। शायद ही इस पर कोई विास करेगा। इसमें दो राय नहीं है कि गुजरात चुनाव की घोषणा नहीं होने का फायदा भाजपा को मिलेगा। कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी आगामी 10 अक्टूबर को गुजरात जाने वाले हैं। इस बात की पूरी संभावना है कि वह नई योजनाओं का शिलान्यास करेंगे। जाहिर है कि चुनाव की घोषणा के बाद वहां आदर्श चुनाव संहिता लागू हो जाती। इसके चलते प्रधानमंत्री किसी भी नई योजना का शिलान्यास नहीं कर पाते। अगर वास्तव में प्रधानमंत्री 16 अक्टूबर को गुजरात जाते हैं और योजनाओं का शिलान्यास करते हैं तो आयोग को स्वतंत्रता, निष्पक्षता पर सवाल खड़े ही होंगे। अच्छा होता यदि आयोग हिमाचल और गुजरात चुनाव की घोषणा साथ-साथ करता। आयोग जैसी संवैधानिक संस्था को ऐसे किसी भी विवादों से दूर रहकर अपनी निष्पक्षता और स्वायत्तता को कायम रखने की कोशिश करनी चाहिए। लोकतंत्र के लिए यह आवश्यक है।

आरुषि हत्याकांड

आखिरकार नौ साल बाद तलवार दंपति पर अपनी ही बेटी की बेरहमी से कत्ल करने के दाग इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के बाद धुल गए। अदालत ने संदेह का लाभ देते हुए आरुषि के माता-पिता डॉ. नुपूर तलवार और डॉ. राजेश तलवार को बरी कर दिया। जिस वक्त सीबीआई ने आरुषि हत्याकांड की क्लोजर रिपोर्ट अदालत में दाखिल की थी, उस समय सीबीआई के निदेशक रहे अखंड प्रताप सिंह ने भी माना कि हत्याकांड की तफ्तीश में उनके विभाग से कई तरह की लापरवाही हुई थी। हालांकि अपने विभाग की नाकामी को अलग मोड़ देते हुए सिंह ने कहा कि अदालत ने आरुषि के माता-पिता को निदेरष नहीं माना, संदेह का लाभ दिया है। लेकिन इस बात से हर कोई मुतमईन होगा कि सजा या किसी भी मामले की सुनवाई परिस्थितिजन्य सबूतों के आधार पर होती है। इस मामले में भी ऐसा ही कुछ हुआ। पहले दिन से ही सबूतों के साथ हद दरजे की लापरवाही बरती गई। न तो घटनास्थल पर मौजूद साक्ष्यों को कब्जे में लिया गया, न फॉरेंसिक न इलेक्ट्रानिक सबूतों को इकट्ठा किया गया। इस तरह की घोर लापरवाही पहले तो उत्तर प्रदेश पुलिस की तरफ से हुई फ़िर रही-सही कसर सीबीआई ने पूरी कर दी। सजा देने के वास्ते अदालत को सबूतों की जैसी तारतम्यता चाहिए होती है, उसका बेहद अभाव दिखा। लिहाजा, इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद की सीबीआई अदालत के उम्रकैद के फैसले को पलट दिया। अदालत ने अपने आदेश में यह मजबूत तर्क रखा कि जिन परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर सीबीआई कोर्ट ने तलवार दंपति को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी, उनकी कड़ियां टूटी हुई हैं। सबूत इस ओर भी इशारा करते हैं कि आरुषि की हत्या कोई बाहरी नहीं कर सकता था। और संदेह का लाभ हमेशा आरोपित को ही मिलेगा। चौंकाने वाली बात यह है कि इस केस से परदा उठाने के लिए एक के बाद एक सीबीआई की दो टीमों का गठन किया गया। जहां पहली टीम ने तलवार दंपति के बजाय उनके नौकरों पर हत्या का शक जताया था। वहीं दूसरी टीम ने जांच की दिशा को तलवार दंपति की तरफ मोड़ दिया। जांच टीम की खींचतान और वैज्ञानिक तरीके से केस हैंडल नहीं करने से किसी मामले को तार्किक परिणति तक पहुंचने में किस तरह की कठिनाई होती है, आरुषि हत्याकांड इसकी मिसाल है। देश की बेहद विश्वसनीय समझी जाने वाली जांच एजेंसी के लिए आरुषि केस एक और असफलता की कहानी कहता है। पर वह मूल बात रह गई कि आखिर आरुषि को किसने मारा ?

सत्संग

साधना

शरीर मात्र साधन है। उसके संबंध में कोई दुर्भाव मन में न रखें। ऐसी बहुत-सी बातें प्रचलित हो गई हैं कि शरीर दुश्मन है, और शरीर पाप है, और शरीर बुरा है, और शत्रु है, और इसका दमन करना है। मैं आपको कहूं, कि वे गलत हैं। न शरीर शत्रु है, न शरीर मित्र है। आप उसका जैसा उपयोग करते हैं, वही वह साबित हो जाता है। और इसलिए शरीर बड़ा अदभुत है! शरीर बड़ा अदभुत है।

दुनिया में जो भी बुरा हुआ है, वह भी शरीर से हुआ है; और जो भी शुभ हुआ है, वह भी शरीर से हुआ है। शरीर केवल एक उपकरण है, एक यंत्र है। साधना भी जरूरी है कि शरीर से शुरू हो, क्योंकि बिना इस यंत्र को व्यवस्थित किए आगे कोई भी नहीं बढ़ सकता। शरीर को बिना व्यवस्थित किए कोई आगे नहीं बढ़ सकता। तो पहला चरण है, शरीर-शुद्धि। शरीर जितना शुद्ध होगा, उतना अंतस में प्रवेश में सहयोगी हो जाएगा। शरीर-शुद्धि के क्या अर्थ हैं ? शरीर-शुद्धि का पहला तो अर्थ है, शरीर के भीतर, शरीर के संस्थान में, शरीर के यंत्र में कोई भी रुकावट, कोई भी ग्रंथि, कोई भी कांप्लेक्स न हो, तब शरीर शुद्ध होता है। समझें, शरीर में कैसे कांप्लेक्स और ग्रंथियां पैदा होती हैं।

अगर शरीर बिलकुल निर्गंध हो, उसमें कोई ग्रंथि न हो, शरीर में कहीं कोई अटकाव न हो, तो शरीर शुद्ध स्थिति में होता है और अंतस प्रवेश में सहयोगी हो जाता है। अगर आप बहुत क्रुद्ध होंगे, क्रोध करेंगे और क्रोध को प्रकट न कर पाएंगे, तो उस क्रोध की जो ऊष्मा और गर्मी पैदा होगी, वह शरीर के किसी अंग में ग्रंथि पैदा कर देगी। आपने देखा होगा, क्रोध में हिस्टीरिया आ सकता है, क्रोध में कोई बीमारी आ सकती है। भय में कोई बीमारी आ सकती है।

मन की बीमारियां शरीर में ग्रंथि पैदा कर देती हैं। और शरीर में अगर ग्रंथियां पैदा हो जाएं, शरीर में अगर गांठें पैदा हो जाएं, तो शरीर का संस्थान जकड़ जाता है और अशुद्ध हो जाता है। तो शरीर-शुद्धि के लिए सारे योग ने, सारे धर्मों ने बड़े अदभुत और क्रांतिकारी प्रयोग किए हैं। और उन प्रयोगों को थोड़ा समझना जरूरी है। और अगर अपने शरीर पर आप करते हैं, तो आप थोड़े ही दिनों में हैरान हो जाएंगे, यह शरीर तो बड़ी अद्भुत जगह है, बड़ी अद्भुत बात है। तब यह दुश्मन नहीं मालूम होगा, यह बड़ा साथी मालूम होगा और आप इसके प्रति अनुगृहीत होंगे।

लोक-लुभावनी योजनाओं की घोषणा

कांग्रेस को लगता है कि भाजपा को कुछ दिन की मोहल्लत इसलिए दी गई है कि वह आखिरी दिनों में लोक-लुभावनी योजनाओं की घोषणा कर डाले और मतदाता को अपनी ओर करने की कोशिश करे। आयोग की दलील है कि चुनाव संहिता की अवधि को लम्बा करने से जनहित के विकास के कायरे में बाधाएं आती हैं, उसे कम करने के उद्देश्य से ही गुजरात में मतदान को कुछ समय बाद कराने का फैसला किया गया है। गुजरात के मुख्य सचिव ने चुनाव आयोग को पत्र लिख कर अनुरोध किया था कि मतदान की तिथि दिसम्बर में रखी जाए।

सतीश पेडणोकर

गुजरात के जातीय समीकरण पहले की तुलना में काफी जटिल हो गए हैं। इससे चुनावी गणित भी गड़बड़ाया है। किसी प्रभावी मुख्यमंत्री के अभाव में यहां भी चुनाव नरेन्द्र मोदी के नाम पर ही लड़ा जाएगा। गुजरात नरेन्द्र मोदी सरकार के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण चुनाव है क्योंकि अगर भाजपा को यहां कोई बड़ा झटका लगता है तो इसका प्रभाव अने वाले लोक सभा चुनाव पर भी पड़ सकता है। जिसके लिए भाजपा अभी से ही काफी जोर लगा रही है हिमाचल प्रदेश विधानसभा के चुनाव इसी माह होने वाले हैं और अगले मास गुजरात के। चुनाव अभियान आरम्भ करने से पहले ही प्रतिस्पर्धी पार्टियां भाजपा-कांग्रेस भिड़ गई हैं। कांग्रेस का कहना है कि चुनाव आयोग ने भाजपा के दबाव में आकर तारीखें तय कर दीं वरन क्या आवश्यकता थी कि हिमाचल और गुजरात के मतदान एक साथ न हों जबकि दोनों विधान सभाओं का कार्यकाल लगभग एक साथ समाप्त होता है। कांग्रेस को लगता है कि भाजपा को कुछ दिन की मोहल्लत इसलिए दी गई है कि वह आखिरी दिनों में लोक-लुभावनी योजनाओं की घोषणा कर डाले और मतदाता को अपनी ओर करने की कोशिश करे। आयोग की दलील है कि चुनाव संहिता की अवधि को लम्बा करने से जनहित के विकास के कायरे में बाधाएं आती हैं, उसे कम करने के उद्देश्य से ही गुजरात में मतदान को कुछ समय बाद कराने का फैसला किया गया है। गुजरात के मुख्य सचिव ने चुनाव आयोग को पत्र लिख कर अनुरोध किया था कि मतदान की तिथि दिसम्बर में रखी जाए क्योंकि जल्दी रखने से बाढ़ पीड़ितों की सहायता में बाधा आएगी। हिमाचल विधान सभा का कार्यकाल 7 जनवरी को समाप्त हो रहा है और गुजरात का 22 जन. को। आयोग ने हिमाचल विधान सभा के लिए मतदान की तिथि 9 नवम्बर को तय की है जबकि गुजरात के लिए कोई तिथि तय नहीं की गई। मुख्य चुनाव आयुक्त का कहना है कि तिथि 18 नवम्बर से पहले होगी क्योंकि इस दिन हिमाचल के नतीजे घोषित होंगे ताकि चुनाव नतीजों का असर गुजरात के मतदान पर न पड़े। चुनाव का मौसम चुनावी रेवड़ियां बांटने का भी होता है, जिस कांग्रेस ने भाजपा पर चुनाव आगे बढ़ा कर चुनावी वायदे करने का आरोप लगाया है, उसी के शासन में हिमाचल प्रदेश में पिछले कुछ ही दिनों में हजार करोड़ रुपये की योजनाएं जारी कर दी गई हैं और गुजरात का हाल तो अहमदाबाद नगर निगम ने प्रस्तुत किया जबकि उसने कुछ ही मिनटों में पांच सौ करोड़ से भी अधिक रुपये की परियोजनाएं मंजूर कर दी। सोलह अक्टूबर को प्रधानमंत्री गुजरात जाने वाले हैं और देखना है कि वे गुजरातियों को क्या-क्या सौगात देते हैं हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है, मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह अपनी बढ़ी उम्र के अतिरिक्त अपने जीवन के अंतिम छोर में वे भ्रष्टाचरण के गंभीर आरोपों में फंस गए। अदालतों के चक्कर काटने और अपने आप को निदरेष साबित करने की कोशिश करते मुख्यमंत्री अब उतने लोकप्रिय नहीं दिखते, जितने थे। उन्हें 83 वर्ष की आयु में फ़िर से मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार बनाने से उनकी अपनी पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता नाराज हैं और पार्टी भीतर से अलग-अलग शिविरों में बंटी दिखती है। प्रदेश पार्टी अध्यक्ष की नाराजगी किस हद तक कांग्रेस को नुकसान पहुंचाएगी, कहा नहीं जा सकता है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राहुल गांधी यों तो युवा नेताओं को वरीयता देते रहे हैं, लेकिन हिमाचल में उनके पास भी कोई वैकल्पिक उम्मीदवार नहीं था। इसलिए वीरभद्र को ही उतारना मजबूरी थी। लेकिन भाजपा भी कुछ ऐसी ही उलझन में है। पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल को अब उनके पुराने प्रतिस्पर्धी वयोवृद्ध पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार तो चुनौती नहीं दे सकते। लेकिन हिमाचल की राजनीति में नए उभरे सितारे केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से उनकी उम्मीदवारी को चुनौती मिल सकती है। नड्डा न केवल केंद्र की राजनीति में इस समय मोदी और शाह की नजरों में सही व्यक्ति माने जाते हैं, अपितु तुलनात्मक रूप से कम उम्र के भी हैं। लेकिन अगर चुनावों की तिथि की घोषणा तक भी दोनों में से किसी को मुख्यमंत्री का उम्मीदवार नहीं बनाया गया है तो साफहै कि केंद्रीय नेतृत्व अभी हिमाचल के मुख्यमंत्री पद के लिए अपना मन नहीं बना पाया है। दरअसल, भाजपा के पास जो महत्त्वपूर्ण साधन है, वह है प्रधानमंत्री मोदी की लोकप्रियता। इस नाम पर चुनाव जीतने के पश्चात पार्टी किसी ऐसे व्यक्ति को भी मुख्यमंत्री बना सकती है, जिसकी आम जनता को भी उम्मीद न हो। लेकिन सवाल है कि क्या मोदी अभी भी उतना ही सशक्त हैं। देश में आर्थिक मंदी और नौकरी संबंधी कठिनाइयों के रहते अगर मोदी का करिश्मा जारी रहता है तो भाजपा मुख्यमंत्री-पद के उम्मीदवार के बिना भी चुनाव लड़ कर हिमाचल में जीत सकती है क्योंकि अगर उसे उसी अनुपात में मत प्रतिशत मिला जितने लोक सभा चुनावों में मिला था तो कांग्रेस अपनी गद्दी को शायद ही बचा पाए।गुजरात इस बार उतना आसान नहीं है। इसका कारण राहुल गांधी नहीं हैं। उनकी सभाओं और उनके भाषणों ने मीडिया का कितना ही ध्यान खींचा हो, उसे चुनावी लोकप्रियता का मापदण्ड मानना भूल होगी। गुजरात में भाजपा की मुश्किल पटेल समुदाय के एक बड़े वर्ग की बगावत है। हार्दिक पटेल अपनी जाति के एक बड़े भाग को भाजपा से छीनने में कामयाब हो गए हैं। इसलिए यह भाजपा के लिए बड़ा संकट तो नहीं है, लेकिन उसकी लोकप्रियता में गिरावट दर्ज होने का खतरा तो है। सवाल तो यही है कि क्या मोदी की लोकप्रियता का ग्राफ गिरा है तो कितना। गुजरात में मुसलमानों को मत प्रतिशत की दृष्टि से भाजपा के लिए नगण्य ही माना जाना चाहिए। महत्त्वपूर्ण है कि क्या पिछड़ा वर्ग उसी स्तर पर भाजपा के पक्ष में आएगा जैसे वह लोक सभा चुनाव के समय आया था। दोनों समुदायों के सत्तारूढ़ पार्टी के साथ रहने के अपने-अपने कारण हैं। आदिवासी कथित मुस्लिम विरोध के कारण पिछली बार कांग्रेस को छोड़ भाजपा में आए थे और फ़िलहाल कांग्रेस के पाले में जाने का उनके पास कोई कारण नहीं दिखता। पिछड़े वगरे को हार्दिक ने चौंका दिया है। पटेलों के लिए अलग से नौकरियों में आरक्षण की मांग अगर स्वीकार होती है तो उससे सीधा नुकसान पिछड़े वर्गों को ही होगा। इसलिए भाजपा को कमजोर करना उनके पक्ष में नहीं है। कुल मिला कर गुजरात के जातीय समीकरण पहले की तुलना में काफी जटिल हो गए हैं। इससे चुनावी गणित भी गड़बड़ाया है। किसी प्रभावी मुख्यमंत्री के अभाव में यहां भी चुनाव मोदी के नाम पर ही लड़ा जाएगा। गुजरात मोदी सरकार के लिए बहुत महत्त्वपूर्ण चुनाव है क्योंकि अगर भाजपा को कोई बड़ा झटका लगा तो इसका प्रभाव आने वाले लोक सभा चुनाव पर भी पड़ सकता है।

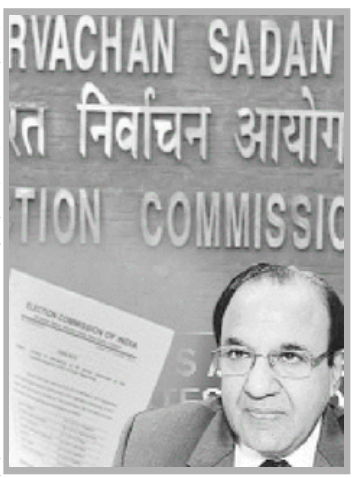

चलते चलते

खानदानी पॉलिटिक्स

समझदारों ने समझाया भी कि इसमें पॉलिटिक्स कहां है? यह तो सीधे-सादे कारोबार का ही मामला है। जवाब मिला कि सीधा-साधा छोड़िए, इसमें कारोबार भी कहां है? पर खानदान तो है।

ये तो बड़ी ज्यादती है। केसरिया भाइयों के यहां खानदानी पॉलिटिक्स का दूसरा टॉप का मामला नहीं मिला तो विपक्ष वाले बेचारे अमित शाह के ही बेटे के पीछे पड़ गए। समझदारों ने समझाया भी कि इसमें पॉलिटिक्स कहां है? यह तो सीधे-सादे कारोबार का ही मामला है। जवाब मिला कि सीधा-साधा छोड़िए, इसमें कारोबार भी कहां है? पर खानदान तो है। वही असली चीज है। पॉलिटिक्स और इकानमिक्स तो सब आनी-जानी चीजें हैं, किसमें से क्या निकल आए, कौन कह सकता है! खैर, हमने तो पहले ही कहा कि ये तो ज्यादती है। जो ईनाम का हकदार है, उसे गुनहगार बताया जा रहा है। और पप्पा की सरकार से कहा जा रहा है कि जांच कराए? जब कोई गुनाह हुआ ही नहीं है, तो बेचारी सरकार जांच भी कराए तो किस की? आखिर, कोई बताए तो कि बेचारे छोटे शाह का गुनाह क्या है? क्या अपनी कंपनी को इतनी कुशलता से चलाना गुनाह है कि एक साल में कारोबार सोलह हजार गुना बढ़ जाए और पचास हजार से बढ़कर अस्सी करोड़ रुपये हो जाए? या असुरक्षित ऋण का जुगाड़ बैठाना गुनाह है? या सात करोड़ के रेहन पर सत्ताईस करोड़ के कर्ज का गुंताड़ा बैठाना गुनाह है? या फ़िर बगटुट भागती कंपनी को अचानक बंद कर देना गुनाह है? या फ़िर शेयर का या आयात-निर्यात का धंधा करते-करते, पवन चक्की के धंधे में कूद जाना गुनाह है? आखिर, इनमें से गुनाह क्या है? अगर यही गुनाह है तो कामयाबी किसे कहेंगे? बहुत बड़ी सही, पर कामयाबी गुनाह तो नहीं हो सकती। समाजवाद के चक्कर में पहले रही भी होगी, पर अब नहीं। गुजरातियों के मामले में कभी भी नहीं, उनके खून में बिजनस है। कामयाबी सिर्फइसलिए नहीं हो सकती कि पप्पा की राज में हुई है। हर कामयाबी किसी न किसी के राज में होती है। पप्पा का राज हो तो क्या कामयाबी गुनाह हो जाएगी? क्या हम सोलह हजार गुने की छलांग लगाकर दिखाने के लिए भी कामयाब बेटों से पप्पा का राज खत्म होने का इंतजार कराना चाहते हैं? कम से कम दीवाली के मौके पर बिजनस की कामयाबी के साथ ऐसा अन्याय लक्ष्मीजी को मंजूर नहीं होगा। राज हो तो क्या कामयाबी गुनाह हो जाएगी? क्या हम सोलह हजार गुने की छलांग लगाकर दिखाने के लिए भी कामयाब बेटों से पप्पा का राज खत्म होने का इंतजार कराना चाहते हैं? कम से कम दीवाली के मौके पर बिजनस की कामयाबी के साथ ऐसा अन्याय लक्ष्मीजी को मंजूर नहीं होगा।

मुद्दा

अल्पसंख्यक मामले

सलमानों ने भारत वर्ष से हज पर मक्का (सऊदी अरब) जाने की परम्परा काफी पुरानी है। परन्तु 1927 के रिकॉर्ड में पहली बार हज कमेटी बंबई (अब मुंबई) का उल्लेख मिलता है। 1932 में पोर्ट एक्ट पास हुआ और विधिवत हज कमेटी बनी। स्वतंत्रता के बाद 1959 में हज कमेटी एक्ट पास हुआ। सात 2002 में भी एक हज कमेटी एक्ट पास हुआ, जिसके तहत हज कमेटी ऑफ इंडिया या सेंट्रल हज कमेटी बनी। मौजूदा हज कमेटी ऑफ इंडिया इसी कानून के तहत कार्य करती है, परन्तु समय-समय पर हज नीति में परिवर्तन होते रहते हैं।

हाल ही में हज कमेटी ने कुछ प्रस्ताव अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्रालय को विचारार्थ भेजे हैं, जिन पर मुस्लिम समाज के कुछ नेताओं और धर्मगुरुओं ने आपत्ति जताई है। पहली आपत्ति यह है कि 45 वर्ष से ज्यादा आयु वाली महिलाओं को बिना मेहरम (महिला के करीबी संबंधी जिससे पर्दा करना आवश्यक न हो जैसे पिता, पुत्र, भाई-भतीजा, पति इत्यादि) के हज पर जाने की आज्ञा देने के प्रस्ताव पर है। मालूम हो कि शरीयत (धर्म संहिता) के अनुसार महिलाएं केवल मेहरम के साथ ही हज पर जा सकती हैं। इसलिए कुछ उलेमा उदारहणार्थ इमाम बुखारी के अनुसार इस्लाम में किसी महिला की मेहरम के बिना यात्रा करना निषिद्ध है, परन्तु हज जैसे पवित्र कार्य के लिए शरीयत की इस शर्त को नजरअंदाज किया जा रहा है। इस आपत्ति के सिलसिले में यह कहा जा सकता है कि 45 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं के बिना मेहरम के हज यात्रा पर जाने की इजाजत पाकिस्तान, बांग्लादेश सहित 95 प्रतिशत मुस्लिम देशों ने दे रखी है। अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी साहब की इस बारे में दलील यह है कि यदि 45 वर्षीय महिला का बिना मेहरम के हज पर जाना शरीयत विरोधी होता तो सबसे पहले इस पर इस्लामी देश सऊदी अरब को ही आपत्ति होती, मगर उसकी ओर से कोई आपत्ति नहीं की गई।

उन्होंने कहा कि हमने हज पर जाने वाली महिलाओं को यह छूट दी है। किंतु इस मामले में मुस्लिम समुदाय स्वतंत्र है कि वह चाहे महिलाओं को बिना मेहरम हज पर भेजे या नहीं भेजे। आम मुस्लिम महिलाएं भी रेल, बस या हवाई जहाज से बिना मेहरम के यात्रा करती हैं। लेकिन बड़े-से-बड़े मौलवी, मुफ्ती, इमाम और उलेमा हज या विदेश यात्रा पर जाने के लिए तस्वीर बनवाते हैं और अखबारों में भी अपनी तस्वीर छपवाते हैं। तब उन्हें शरीयत की याद क्यों नहीं आती? जब महिलाओं को ही कोई छूट दी जाती है, तब तो उन्हें शरीयत की चिंता क्यों सताती है? जहां तक हज यात्रा पर सब्सिडी को समाप्त करने के प्रस्ताव का सवाल है तो इससे हाजियों को नुकसान नहीं फायदा ही होगा। तब वह तीन गुना किराया देकर एयर इण्डिया से हज पर जाने के लिए मजबूर नहीं होंगे बल्कि ग्लोबल टेंडर से जो हवाई कंपनी कम किराये पर हाजियों को ले जाएगी, उससे ही वे जाएंगे। अलबत्ता, हाजियों के लिए कुर्बानी का कूपन अनिवार्य कर देने का प्रस्ताव अनुचित है। हर हाजी को वह आजादी होनी चाहिए कि वह कुर्बानी कराये या ना कराए और कराए तो अपने ढंग और सुविधा से कराए।

इसी तरह कुछ मुस्लिम संगठनों को 70 वर्ष से अधिक उम्र के हज पर जाने के इच्छुक लोगों के लिए आरक्षण को समाप्त करने पर भी आपत्ति है। इस सिलसिले में अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी का यह कहना सही है कि एक से अधिक बार हज पर जाने वाले हाजियों पर ही रोक लगाने का प्रस्ताव है। हज यात्रा के किराये को कम करने के लिए समुद्री रास्ते से लोगों को भेजने की योजना भी सराहनीय है। यदि इस पर जल्द अमल हो तो बेहतर। संक्षेप में यही कहा सकता है कि नई हज नीति का आंखें बंद करके विरोध उचित नहीं है। हज कमेटी ऑफ इंडिया को भी पेश किए गए प्रस्तावों पर गहराई से विचार करना चाहिए ताकि अल्पसंख्यकों की आशंकाएं दूर हो सके।

संस्थाओं को सुदृढ़ करने का वक्त

आभा स्वामी

अर्थशास्त्रियों में इस बात को लेकर सहमति बन रही है कि आर्थिक विकास की असल कुंजी देश की संस्थाओं में निहित है। सस्ते श्रम से आर्थिक विकास हासिल होना जरूरी नहीं है। जापान में श्रम महंगा है, फ़िर भी आर्थिक विकास में वह देश आगे है। आवश्यक नहीं कि प्राकृतिक संसाधनों जैसे कोयले अथवा तेल के जरिए भी विकास हासिल हो ही जाए। सिंगापुर में प्राकृतिक संसाधन शून्यप्राय हैं, फ़िर भी उस देश की प्रति व्यक्ति आय अमेरिका से भी अधिक है। तकनीकों से भी आर्थिक विकास जरूरी नहीं है। चीन के पास तकनीकें न्यून थीं, परंतु उनका आयात करके वह कहीं आगे निकल गया है। भारतीय मूल के वैज्ञानिक विदेशों में जाकर नामी संस्थाओं के प्रमुख बन जाते हैं और नोबेल पुरस्कार भी हासिल कर लेते हैं, क्योंकि वहां संस्थाओं में जवाबदेही और स्वतंत्रता, दोनों हैं। शासकीय संस्थाओं में सबसे अधिक महत्वपूर्ण नेताओं की विश्वसनीयता है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम यानी विश्व आर्थिक मंच के अनुसार उत्तरी यूरोप के नार्डिक देशों के आर्थिक विकास का प्रमुख कारण वहां के नेताओं और अधिकारियों की ईमानदारी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज हमारे देश में शीर्ष स्तर पर विकास की यह प्रमुख शर्त पूरी हो रही है। विश्व आर्थिक मंच ने यह भी कहा है कि नेता और जनता के परस्पर सहयोग से आर्थिक विकास हासिल होता है, जैसे परिवार में बड़े और छोटे के बीच सामंजस्य हो तो परिवार आगे बढ़ता है। देश की जनता को आज प्रधानमंत्री मोदी पर विश्वास है। हालांकि अर्थव्यवस्था में सुस्ती के कारण तमाम लोगों की जीविका प्रभावित हो रही है, परंतु उन्हें भरोसा है कि आने वाले वक्त में सब अच्छा हो जाएगा। जनता का अपने नेता में यह विश्वास सुखद है। इस क्रम में सरकार को जनता पर भी भरोसा करना चाहिए। किसी छोटे उद्यमी ने कहा कि हम टैक्स भी देते हैं और बेईमान भी कहलाते हैं, जबकि भ्रष्ट सरकारी कर्मियों को ईमानदार माना जाता है। इंदिरा गांधी ने बैंकों एवं कोयला कंपनियों का राष्ट्रीयकरण करके और शीर्ष उद्यमियों को जेल भेजकर एक नकारात्मक माहौल बनाया था, जिससे अर्थव्यवस्था दबाव में आई थी। नकारात्मक माहौल में उद्यमी की ऊर्जा का प्रस्फुटन नहीं हो सकता। नोटबंदी का आधार यह था कि जनता नंबर दो की कमाई को तिजोरी में रखे हुए है। जीएसटी में खरीद एवं बिक्री का विस्तृत ब्योरा रिटर्न में मांगने का उद्देश्य है कि चोर को पकड़ा जा सके।

जीएसटी की नजर में हर व्यापारी संदिग्ध है। हर शहर में रात में चोर घूमते हैं, लेकिन यदि पुलिस रात में अस्पताल जाने वाले के साथ चोर जैसा व्यवहार करे तो जनता दुबक जाएगी। सरकार को चाहिए कि हर नागरिक को ईमानदार समझे। जिन चुनिंदा लोगों पर शक हो, केवल उन लोगों से खरीद-बिक्री का ब्योरा मांगा जाए। जिस प्रकार देश की जनता को नरेंद्र मोदी पर विश्वास है, उसी प्रकार यदि प्रधानमंत्री जनता और संस्थाओं पर विश्वास करेंगे तो हमारा देश तेजी से आगे बढ़ेगा। दूसरी प्रमुख संस्था न्याय तंत्र है। अपने देश में न्याय तंत्र बीमार हो चला है।

निचले स्तर की अदालतों में भ्रष्टाचार व्याप्त है। यद्यपि युवा जजों के आने से नई लहर आई है, लेकिन पेशकार और वकीलों की मिलीभगत से वादी परेशान रहता है। मैंने किसी कियरेदार के विरुद्ध मामला दाखिल किया था। दो वर्षों तक कियरेदार कोर्ट में हाजिर नहीं हुआ। जब निर्णय का समय आया तो कियरेदार हाजिर हो गया, फ़िर से पूरी प्रक्रिया चालू हुई। इस प्रकार के तमाम पैंतरों पर विराम लगाने की जरूरत है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की भी हालत अच्छी नहीं है। किसी भी केस का निर्णय आने में 10 से 20 वर्ष लगना आम बात है। इस दिशा में सुधार के लिए सरकार को पहल करनी चाहिए।

इलाहाबाद छात्रसंघ चुनाव: इविवि और कॉलेजों के छात्र आज चुनेंगे अपना रहनुमा

इलाहाबाद। इलाहाबाद विश्वविद्यालय और इससे संबद्ध चार डिग्री कॉलेजों के विद्यार्थी शनिवार को मताधिकार का इस्तेमाल कर अपना रहनुमा चुनेंगे। इविवि में 63, सीएमपी डिग्री कॉलेज में 47, इलाहाबाद डिग्री कॉलेज में 20 और ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में 25 प्रत्याशी मैदान में हैं। इविवि और कॉलेजों को मिलाकर कुल 155 प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होना है।

प्रत्याशियों के सामने मतदान प्रतिशत को बढ़ाना बड़ी चुनौती होगी क्योंकि पिछले वर्षों में संपन्न हुए छात्रसंघ चुनाव में मतदान का प्रतिशत उत्साहजनक नहीं था। इस बार भी चुनाव में आम छात्र-छात्राओं की भागीदारी और उत्साह कम दिखाई दे रहा है। इविवि में मतदान दो स्थानों पर होगा। छात्रों का वोट सीनेट हाउस यानी कला संकाय परिसर में पड़ेगा जबकि छात्राएं महिला छात्रावास परिसर में मतदान करेंगी। सीनेट हाल परिसर के हिन्दी, अर्थशास्त्र, दर्शनशास्त्र, उर्दू, प्राचीन इतिहास, शारीरिक शिक्षा, मनोविज्ञान, सीबीसीएस, संस्कृत, शिक्षाशास्त्र, राजनीति विज्ञान, अंग्रेजी, भूगोल, मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास विभाग तथा इंदिरा गांधी सोशल साइंस कॉम्प्लेक्स और फिल्म एंड थियेटर सेंटर में मतदान केंद्र बनाए गए हैं। महिला हॉस्टल परिसर में सरोजनी नायडू हॉस्टल, महिला सलाहकार बोर्ड दफ्तर, डिस्पेंसरी, सेंटर ऑफ फैशन डिजाइन के नए और पुराने भवन में मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

परिचय पत्र, फीस रसीद लाना आवश्यक

इविवि के चीफ प्रॉक्टर प्रो. रामसेवक दुबे ने बताया कि मतदान के लिए मूल परिचय पत्र और फीस की मूल रसीद साथ लानी होगी। इन दोनों अभिलेखों के होने पर ही इविवि परिसर में प्रवेश मिल सकेगा। चुनाव के कारण शनिवार को इविवि के सभी संकायों में शिक्षण कार्य स्थगित रहेगा। चुनाव ड्यूटी में लगाए गए शिक्षकों और शिक्षणेत्तरकर्मियों को सुबह छह बजे छात्रसंघ भवन में बने नियंत्रण कक्ष में रिपोर्ट करना होगा। यहीं से पोलिंग पार्टियां मतदान सामग्री के साथ सीनेट हाउस परिसर और महिला हॉस्टल परिसर के लिए रवाना की जाएंगी।

ऐसे मिलेगा परिसर में प्रवेश

छात्र केपीयूसी गेट से सुबह आठ बजे से प्रवेश करेंगे और निर्धारित बूथ पर मतदान करने के बाद लाइब्रेरी गेट से निकल जाएंगे। छात्राएं महिला हॉस्टल गेट से प्रवेश करेंगी और मतदान के बाद इसी गेट से बाहर निकलेंगी। परिसर में वाहनों का प्रवेश वर्जित रहेगा। विकलांग छात्र लाइब्रेरी गेट से प्रवेश करेंगे और मतदान के बाद इसी गेट से बाहर निकल जाएंगे।

मतदाताओं को मिलेगा नोटा का विकल्प

इविवि छात्रसंघ के चुनाव में सभी पदों पर नन ऑफ दी एबव यानी नोटा का विकल्प मिलेगा। यह विकल्प पिछले वर्ष पहली बार दिया गया था। पिछले वर्ष इस विकल्प ने अध्यक्ष सहित कई पदों के चुनाव परिणाम को ही पूरी तरह से बदल दिया था।

अध्यक्ष पद पर जीते एबीवीपी के रोहित कुमार मिश्रा और समाजवादी छात्रसभा के अजीत यादव उर्फ विधायक के बीच कड़ा मुकाबला हुआ था। स्पष्ट है कि नोटा विकल्प चुनने वालों की संख्या जीत के मतों के अंतर से दोगुना से भी ज्यादा थी।

उपाध्यक्ष पद पर भी ऐसी ही स्थिति थी। इस पद पर समाजवादी छात्रसभा के अदिल हमजा उर्फ साहिल 120 मतों के अंतर से जीते थे जबकि नोटा विकल्प चुनने वालों की संख्या 304 थी।

सख्ती: यूपी में तैंतीस लाख फर्जी राशन कार्ड रद्द

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खाद्यान्न माफिया अब तक 33 लाख फर्जी राशन कार्ड के जरिए करोड़ों के अनाज का वारा-न्यारा कर रहे थे। सरकार की सख्ती पर ऐसे राशन कादरें को निरस्त कर दिया गया है।

इसके साथ ही भाजपा सरकार बनने के बाद गरीबों के 37 लाख नए राशन कार्ड बनाकर नए सिरे से अनाज बांटना शुरू किया गया है। यह खुलासा राशन कार्ड की जांच के लिए चलाए गए अभियान में हुआ है।

बड़ा अभियान-

प्रदेश में राशन कादरें के सत्यापन का यह बड़ा अभियान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर चलाया गया। सरकार के सख्त तेवर के कारण अभियान को बड़ी सफलता मिली।

मई तक अन्त्योदय योजना के एक लाख 865 और खाद्य सुरक्षा योजना के 28 लाख 52 हजार 892 राशन कार्ड रद्द किए जा चुके हैं।

सुलह से अगले साल शुरू होगा राममंदिर का निर्माण: शिया बोर्ड

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने उम्मीद जताई है कि अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण आपसी समझौते से अगले साल शुरू हो जाएगा। बोर्ड के अध्यक्ष सैय्यद वसीम रिजवी ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि उनका बोर्ड रामजन्म भूमि-बाबरी मस्जिद मामले को आपसी समझौते से हल करने के लिए सक्रिय है। मामले में सभी आवश्यक पक्षकारों से बात भी कर ली गई है। रिजवी ने प्रदेश सरकार की तरफ से अयोध्या में भगवान राम की भव्य मूर्ति की स्थापना के प्रस्ताव की सराहना करते हुए कहा कि एशिया में इस सबसे बड़ी मूर्ति की स्थापना से प्रदेश का गौरव पूरे विश्व में बढ़ेगा। उन्होंने कहा है कि अवध के नवाबों ने अयोध्या स्थित मंदिरों का सम्मान किया। नवाब शुजाउददौला ने हनुमान गढ़ी मंदिर के लिए वर्ष 1739 से 1754 के बीच अयोध्या स्थित भूमि दी थी। इसके बाद नवाब शुजाउद्दौला ने 1775 से 1739 के बीच हनुमान गढ़ी मंदिर के निर्माण के लिए आर्थिक सहयोग किया। रिजवी ने फिर दोहराया कि विवादित स्थल पर मस्जिद का निर्माण इस्लाम के सिद्धांतों के विपरीत है। उन्होंने इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि अयोध्या में ही वाजिद अली शाह के जमाने में एक अन्य मस्जिद के विवाद में सैय्यद मोहम्मद नसीराबादी और फरंगीमहल से फतवा जारी हुआ था।

अयोध्या के विकास को नहीं होने देंगे धन की कमी: उपमुख्यमंत्री

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण अवश्य होगा, यह हम सबकी आकांक्षा है। उन्होंने कहा कि हम सब रामभक्त व गोभक्त हैं, इसलिए राममंदिर के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार कर रहे हैं।

विवादित बोल: स्कूल ना भेजने वाले अभिभावको को मारें 5-5 डंडे

गोंडा। सूबे की मुख्यमंत्री योगी सरकार के एक मंत्री की जुबान ऐसी फिसली कि सुनने वाले दंग रह गए। पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने यहां एक कार्यक्रम में बच्चों को स्कूल न भेजने वाले अभिभावकों को थाने में पुलिस से 5 - 5 डंडे मरवाने की बात कह डाली। इतने पर ही नही रूके, बोले अब मैं मंत्री हूँ एफआईआर कराने के लिए दरोगा जी को पंहुचूंगा लेकर। अब अभिभावकों को लिखकर देना होगा कि हम बच्चे को भेजेंगे स्कूल। उन्होंने कहा कि सुधार लाने के सारे तरीके उन्हे आते हैं।उन्होंने कहा कि स्कूल ने भेजने वाले माता-पिता पर जान से मारने की धमकी देने का केस दर्ज कराओ। पांच पांच दिन थाने में बिठाओ तभी सुधार होगा। छह महीने समझायेंगे उसके बाद कार्रवाई करेगें। हालांकि बाद में उन्होंने कहा कि एकल शिक्षा व्यवस्था से दूर होगी अमीरी गरीबी की गहरी खाई। गरीबों व विभिन्न लोगों के लिए सरकार द्वारा कल्याणकारी योजनाएं संचालित की गई है जिसका लाभ सभी लोग मिलकर उठाएं। घर-घर शिक्षा की अलख जगाये जब तक घर घर शिक्षा नहीं होगी तब तक देश व समाज विकास नहीं करेगा। ये मंत्री खोड़ारे के घारीघाट के हकीकुल्लाह चौधरी इन्टर कालेज में आयोजित अति पिछड़ा वर्ग व अति दलित वर्ग सम्मेलन में आये थे। उन्होंने कहा कि यदि आपके घर के बगल का बच्चा पढ़ने नहीं जाता तो आप उनके माता पिता को बच्चे को स्कूल भेजने व शिक्षित करने के लिए प्रेरित करें। गौरा विधायक प्रभात कुमार वर्मा ने कहा कि गौरा के विकास के लिए मैं पूरी तरह से प्रतिबंध हूं।

बेटियां अपनी सही बात के लिए आवाज उठाएं : स्वाति सिंह

लखनऊ। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से शनिवार को प्रांत छात्रा सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम केजीएमयू के कन्वेंशन सेंटर में हुआ। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मंत्री स्वाति सिंह ने बेटियों को उनके खिलाफ हो रहे अपराधों पर आवाज उठाने को कहा।

उन्होंने कहा कि सरकार ने नीतियां बनाई हैं। सम्मेलन में कन्या शिक्षा, सुरक्षा, सम्मान और कन्या भ्रूण हत्या विषय पर मंथन किया गया। लविवि के कुलपति प्रो. एसपी सिंह ने छात्राओं को अपनी राह चुनने की सीख दी।

रायबरेली में घूस लेते रंगे हाथ रेलवे का अफसर गिरफ्तार

लखनऊ। सीबीआई की एंटी करप्शन ब्यूरो की 8 सदस्यीय टीम ने रेलवे स्टेशन के चीफ गुड्स सुपरवाइजर व रेलवे यूनियन के नेता को घूस लेते रंगे हाथों पकड़ लिया। टीम ने साइडिंग से माल की अनलोडिंग के लिए मंगाई गई तीन पोकलैंड मशीनें भी पकड़ी हैं। घंटों पूछताछ के बाद टीम सुपरवाइजर को लेकर उसके घर छापेमारी के लिए गई है। पकड़े गए चीफ गुड्स सुपरवाइजर को निलंबित कर दिया गया है।

चुरूवा बार्डर के पास स्थित आरडी सीमेंट फैक्ट्री के निदेशक आनंद गुप्ता ने एंटी करप्शन ब्यूरो में डैमेज चार्ज कम करने के लिए रिश्वत मांगे जाने की शिकायत की थी। जिसके बाद टीम ने सुपरवाइजर को रंगे हाथ पकड़ने के लिए योजना बनायी।

योजना के तहत आनंद गुप्ता ने सुपरवाइजर से फोन पर रिश्वत की धनराशि और देने के लिए समय तय किया। शुक्रवार को अपराह्न करीब 3:45 बजे लखनऊ की एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम दरियापुर रेलवे स्टेशन पहुंची। इसके बाद आनंद गुप्ता ने डैमेज चार्ज का 37 हजार 800 रुपए और 7 हजार 200 रुपए घूस का अफसर को दे दिया। तभी एंटी करप्शन टीम सीधे चीफ गुड्स सुपरवाइजर डीबी सिंह के कार्यालय में घुसी और कुल 45 हजार रुपए बरामद कर लिया।नोटों पर लगा पाउडर चीफ गुड्स सुपरवाइजर के हाथ में लगने से उनकी पोल खुल गयी। जिसके बाद टीम ने चीफ गुड्स सुपरवाइजर से पूछताछ शुरू कर दी।

टीम ने साइडिंग से माल की अनलोडिंग के लिए मंगाई गई तीन पोकलैंड मशीनों को भी पकड़ लिया। एंटी करप्शनुटीम पूछताछ के बाद सुपरवाइजर को लेकर जगतपुर थाना क्षेत्र के बेनीगामा स्थित उसके निवास चली गयी।

एंटी करप्शन ब्यूरो टीम प्रभारी अनमोल सचान ने बताया कि सीमेंट कंपनी का क्लिंकर दरियापुर स्थित रेलवे साइडिंग पर उतरा था। रिश्वत लेने के बाद भी इसका डैमेज चार्ज एक लाख 26 हजार बना था। जिसके बाद उसे कम करने के लिए फिर से रिश्वत की मांग की जा रही थी।

रिश्वत की रकम तय होने पर डैमेज चार्ज की धनराशि कम करके 37 हजार 800 कर दी गयी। घूस लेते रंगे हाथ पकड़े गए चीफ गुड्स सुपरवाइजर को निलंबित करते हुए उनका प्रभार सहायक गुड्स सुपरवाइजर अमित श्रीवास्तव को दिया गया है।

पकड़ा गया चीफ गुड्स सुपरवाइजर उत्तर रेलवे मजदूर यूनियन की जिला इकाई का शाखा मंत्री भी है।

बिहार

लालू के दूसरे लाल तेज प्रताप की बढ़ी परेशानी, मिटटी खरीद घोटाला

हाईकोर्ट ने बिहार सरकार से जांच रिपोर्ट मांगी

पटना (ईएमएस)। भ्र७?टाचार के कई मामलों में घिरे लालू प्रसाद के परिवार की मुश्किलें कम नहीं हो रही हैं। पत्नी राबडी,बेटा तेजस्वी और बेटी के बाद अब दूसरे लाल तेज प्रताप भी संकट आ गया है। इसके कारण आने वाले दिनों में लालू के दूसरे लाल तेज प्रताप यादव की परेशानी बढ़ने वाली है। इसकी ताजा कड़ी में पटना हाई कोर्ट ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद के बड़े बेटे एवं पूर्व पर्यावरण एवं वन मंत्री तेज प्रताप यादव की कथित संलिप्तता वाली मिट्टी खरीद घोटाले के सिलसिले में शुक्रवार को बिहार सरकार से जांच स्थिति रिपोर्ट मांगी। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति राजेंद्र मेनन और न्यायमूर्ति ए के उपाध्याय की खंडपीठ ने वकील आरएस सिंह सेनगर की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश जारी किया। अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख छह हफ्ते बाद की रखी। याचिकाकर्ता ने पटना के प्राणी उद्यान के सौंदयीकरण के लिए 90 लाख की मिट्टी की खरीद में ०?यापक अनियमितताओं की शिकायत की थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि सौंदयीकरण परियोजना के लिए इस्तेमाल में लाई गई मिट्टी एक मॉल के निर्माण स्थल से थी जो राजद अध्यक्ष एवं उनके परिवार की है। इस मामले के सामने आने के बाद पूर्व पर्यावरण मंत्री विवादों में आ गये थे। उस वक्त सरकार से बाहर विरोध में रहे बिहार भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं वर्तमान में उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने मामले की जांच की मांग की थी।

घर में जब नहीं रहती थी पत्नी, तब पति करता था बेटी के साथ गलत काम

पूर्णिया.बिहार के पूर्णिया में एक पिता द्वारा अपनी सौतेली बेटी के साथ रेप करने का मामला सामने आया है। पीड़िता की मां ने महिला थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़िता सहायक थाना क्षेत्र की रहने वाली है। पुलिस ने मामला दर्ज कर पिता को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। पीड़िता की मेडिकल जांच भी करवाई गई है। पत्नी का भी करता था पिटाई...

पीड़िता की मां ने बताया कि उसका पति उसकी भी पिटाई करता था। यहां तक कि पिटाई करने के बाद वह खाना-पीना बंद कर देता था। दर्ज प्राथमिकी में उसने कहा है कि उसकी शादी 15 वर्ष पहले हुई थी। शादी के बाद उसे तीन पुत्री और एक पुत्र हुआ। इसी दौरान पति की प्रताड़ना से तंग आकर वह सभी बच्चों को छोड़कर कटिहार चली गई।

बीएमपी जवान ने पत्नी की हत्या कर शव को फंदे से लटकाया

कटिहार. बिहार के कटिहार जिले के प्राणपुर के बस्तौल गांव में शुक्रवार को बीएमपी सात के एक जवान ने अपनी पत्नी की हत्या कर उसे आत्महत्या साबित करने के लिए शव को फंदे से लटका दिया। इस घटना को लेकर मृतका के परिजन और गांव वालों ने जमकर हंगामा किया। पुलिस ने आरोपी जवान को गिरफ्तार कर लिया। हत्या से नाराज ग्रामीण और परिजनों ने जवान को पुलिस के संरक्षण से छुड़ाकर उसकी जमकर पिटाई की। पिटाई के बाद चार घंटे तक मृतका के घर में कैद कर रखा।

लोगों का कहना था कि इस घटना को अंजाम देने वाले को हमलोग खुद ही सजा देंगे।

चार घंटे के बाद एसडीपीओ लाल बाबू यादव सहित कई थानों की पुलिस के पहुंचने पर बंधक जवान को मुक्त कराया गया। इसको लेकर 6 घंटे तक प्राणपुर में हंगामा होता रहा।

12 हजार के लिए पत्नी से पहले से चल रहा था विवाद

आरोपी अजय रजक की दो शादी हुई थी। पहली पत्नी नीलम देवी से विवाद चल रहा था। मामला कोर्ट में था।

कोर्ट ने पति अजय रजक को 12 हजार रुपए प्रति माह देने का फैसला पहली पत्नी नीलम देवी को देने का कोर्ट ने सुनाया था, जो उसके मेंटनेंस के लिए था।

यह राशि सीधे अजय रजक की पत्नी नीलम देवी के खाते में जाती थी, जो सिपाही अजय रजक को गंवारा नहीं था।

पहली पत्नी से तीन पुत्री थी। अजय रजक अपनी पहली नीलम देवी पर यह दबाव बना रहा था कि 12 हजार में से 4 हजार उसे वापस कर दें। क्योंकि बाकी पैसे से उसका गुजारा नहीं होता।

पुलिस ने शव के साथ कराया जानवर जैसा सलूक, बांस से

नवादा. बिहार के नवादा जिले में एक महिला की हत्या कर शव को ठिकाने लगाने के लिए रेलवे लाइन के पास फेंक दिया गया। शुक्रवार को जब लोगों ने महिला का शव देखा तो पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस के जवान ने महिला के शव के साथ जानवरों जैसा सलूक कराया। शव को बांस से बांधकर ले गए मजदूर...

मृतक महिला की पहचान गुड़िया देवी के रूप में हुई है। वह जेल रोड की रहने वाली थी। उसका शव नथनपुरा गांव के पास मिला।

शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाने के लिए एम्बुलेंस की व्यवस्था की जानी चाहिए थी, लेकिन पुलिस ने इसकी जरूरत नहीं समझी।

पुलिस ने दो लोगों को शव उठाने के लिए तैयार किया। दोनों मजदूर एक बांस लेकर आए और शव को बांस से बांधा। इसके बाद दोनों ने बांस को कंधे पर रखा और शव को रेलवे लाइन से उठाकर सड़क तक ले आए।

दोनों महिला के शव को उसी तरह उठाकर ले जा रहे थे, जैसे किसी जानवर की डेड बॉडी को बांधकर ढोया जाता है।

सड़क पर लाए जाने पर भी शव के साथ अमानवीय व्यवहार बंद नहीं हुआ। शव को ठेले पर लादकर पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाया गया।

शव उठाने के लिए दी शराब

बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू है। देशी हो या अंग्रेजी किसी भी तरह की शराब कोई न खरीद सकता है और न पी सकता है।

मजदूरों ने शव उठाने से पहले पुलिस के सामने शराब देने की शर्त रख दी थी।

नाबालिग लड़की को रास्ते से किया अगवा, फिर रात पर किया गलत काम

बांका. बांका के बाराहाट थाना क्षेत्र में तीन युवकों ने मिलकर नाबालिक लड़की को अगवा कर स्कॉर्पियो से ले गए। तीनों उसे एक सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ गैंगरेप किया। पीड़िता को रातभर साथ रखने के बाद सुबह छोड़ दिया। युवकों ने घटना के बारे में किसी को नहीं बताने की धमकी थी। घटना बुधवार की रात की है। गुरूवार को उसने किसी प्रकार हिम्मत कर मामले की जानकारी अपनी मां को दी।

मां लड़की को लेकर बाराहाट थाना पहुंची और मामले की जानकारी पुलिस को दी।

बाराहाट थाना ने पीड़िता को बांका महिला थाना भेजा गया जहां पीड़िता के बयान पर बांका महिला थाना में मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

बांका महिला थानाध्यक्ष मणि कुमारी ने बताया कि पीड़िता के बयान के आधार पर शुक्रवार देर शाम थाना में मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

पीड़िता का मेडिकल जांच कराया जा रहा है। घटना में संलिप्त तीनों आरोपियों आशीष कुमार , विक्रम कुमार मंडल और रवि कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

बांका महिला थानाध्यक्ष ने आगे बताया कि इस संबंध में जगत किशोर चौधरी के मकान को सील किया गया है।

मरीज को पटना ले जा रही एम्बुलेंस में अचानक लगी आग, पेशेंट सेफ

आरा.शहर के जज कोठी मोड़ के समीप शुक्रवार की सुबह एक एम्बुलेंस में चलते-चलते अचानक आग लग गई। जिससे भगदड़ मच गयी। इस दौरान एम्बुलेंस में सवार मरीज समेत उनके परिजनों को बाहर निकालकर पब्लिक के सहयोग से आग को बुझाया गया। इसे लेकर वहां भीड़ लगी रही। एम्बुलेंस में अग्निरोधी यंत्र नहीं था। आसपास के दुकानदारों ने बाल्टी से पानी फेंक कर एम्बुलेंस में लगी आग को बुझाया। तब जाकर लोगों ने राहत की सांस ली।

वाक्या सुबह करीब दस बजे की है। बताया जा रहा कि उदवंतनगर थाना के चौंराई-भेंलाई गांव निवासी मो. शमसुल की तबियत खराब थी। परिजन बेहतर इलाज के लिए उसे एम्बुलेंस से पटना ले जा रहे थे। रास्ते में आरा शहर में जज कोठी मोड़-पकड़ी के पास अचानक चलते-चलते एम्बुलेंस में आग लग गयी। धुआं व चिंगारी निकलते देख चालक दामोदर ने तुरन्त एम्बुलेंस को रोक दिया। इसके बाद अंदर से मरीज समेत उनके परिजनों को बाहर निकाला गया।

गौरव यात्रा का हुआ कतारगाम में विरोध

कोंग्रेस द्वारा काले जंडे दिखाने से 20 से अधिक कार्यकरो को किया गिरफ्तार

सूरत। भाजपा की गौरव यात्रा फिलहाल अन्तिम चरणों मे है ।सूरत शहर के विविध क्षेत्रों से गौरव यात्रा निकल सनकी है। शनि वार को भाजपा के जीतू बाघनी द्वारा नीकाली गयी येह गौरव यात्रा का कतारगाम क्षेत्र में काले जंडे दिखाकर कॉंग्रेसी यो ने विरोध किया था।

भाजपा प्रेरीत गौरव यात्रा फिलहाल अंतिम चरणों मे है ।शहर के वुविध क्षेत्रों से गौरव यात्रा निकल चुकी है ।शनिवार को यह गौरव यात्रा कतारगाम क्षेत्र से जीतू वघानी द्वारा निकली गयी थी। इस गौरव यात्रा का कोंग्रेसी कार्यकर अशोक जीरावला व अन्य कार्यकरो ने विरोध दर्शाते हुए काले जंडे दिखाए थे। और वहासे जा रही यात्रा के किलाफ नारे बाजी भी की थी ।कोंग्रेसी ओ की इस विरोध से कतारगाम पुलिस ने करीबन 20 से 30 कोंग्रेसी कार्य कर्ताओ की गिरफ्तारी की है।

बीजेपी कार्यालय में महिलाओ ने सुना सुषमा स्वराज को

सूरत। विधान सभा का चुनाव जैसे जैसे नजदीक आ रहा है वैसे भाजपा व कोंग्रेस दोंनो पक्ष गुजरात मे अनेक कार्यक्रम आयोजित कर रहे है। अहमदाबाद यूनिवरसिटी से आज एक लाइव कार्यक्रम रखा गया था। सुषमा स्वराज का येह लाइव कार्यक्रम महिला सशक्तिकरण को लेकर था जिसे सूरत की महिलाओं ने भी ध्यान पूर्वक सुना और कितनी महिला ओ ने सुषमा से प्रश्नोतरी की।

गुजरात की महिला सशक्तिकरण करन के लये भजपा मुहिम् चलाई है । केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज आज अहमदाबाद के दौरे पर थी । सुषमा ने आज वहां की यूनिवरसिटी से महिलाओ के लये एक डिबेटिंग का कार्यक्रम रखा था वही महिलाओ को उन से बात करने का मौका भी मिला था औरत स्थित बीजेपी टाउन हॉल बेजेपी कार्यालय में अजब कैब 500 से अधिक महिलाए एकत्र हुई थी जिनहोने स्वतज की स्पीच को ध्यान से सुना एवं उन से प्रश्नोत्तरी भी की। सारे गुजरात मे से करिब एक लाख महिलाओ ने स्वराज के इस महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम का लाभ लिया था।

गौण ब्राह्मण परिषद का दीपावली स्नेह मिलन आज

सूरत। गौण ब्राहण परिषद का दिवाली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन 15 अक्टूबर को सांय 6 बजे से परिषद भवन, उधना रोड, सूरत में होगा।

इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समाज के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों तथा बुजुर्गों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान समाज के अग्रणियों द्वारा समाज के विकास पर पर चर्चा की जाएगी।

राजस्थान युवा ट्रस्ट की बैठक आज

सूरत। शहर की अग्रणी सामाजिक संस्था राजस्थान युवा ट्रस्ट के ट्रस्टियों की एक आवश्यक बैठक रविवार, 15 अक्टूबर को प्रात: 11 बजे ट्रस्ट के हास्पीटल में रखी गई है। इस बैठक में ट्रस्ट के तमाम ट्रस्ट्रियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने को कहा गया है।

अग्रवाल विकास ट्रस्ट का दिवाली स्नेह मिलन धूमधाम से सम्पन्न

सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट की ओर से शनिवार को महाराजा अग्रसेन भवन के द्वारका हाल में दिवाली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 7.30 बजे दीप प्रजवलन के साथ किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट की महिला एवं युवा शाखा की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई।

आगंनवाड़ी के हजारों बच्चों में किया पुष्टाहार का वितरण

उधना हेल्थ सेंटर के निकट एकता युवक मंडल के कार्यकर्त्ताओं ने किया आयोजन

सूरत। सेवा की भावना से सदैव सराबोर रहने वाली संस्था एकता युवक मंडल की तरफ से शनिवार को आंगनवाड़ी के हजारों बच्चों को पुष्टाहार वितरित किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए मुल्तानी अमीरभाई ने बताया कि कार्यक्रम का आयोजन उधना हेल्थ सेंटर के निकट संचालित आंगनवाड़ी केंद्रों में किया गया। जिसमें आगनवाड़ी क्रमांक 25 से 36 तक के बच्चों को पुष्टाहार दिया गया। जिसमें मुख्य रूप से चिक्की व खजूर को शामिल किया गया था। मंडल की अन्य प्रवृत्तियों की जानकारी देते हुए मंडल के प्रमुख जब्बार खान पठान ने बताया कि मंडल की तरफ से प्राय: इस तरह की प्रवृत्तियां चलाई जाती, मंडल की तरफ से प्रत्येक वर्ष महिला दिवस का आयोजन किया जाता है। मंडल की तरफ से रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर, विधवा महिलाओं के लिए राशन कीट का वितरण, कन्याओं के लिए मेंहदी स्पर्धा तथा इनाम वितरण, स्कूलों में पढ़ने वाले जरूरतमंद विद्यार्थियों को नोट बुक सहित तमाम अध्ययन की सामग्रियों का वितरण का कार्य किया जाता है।

दैवीय आपदा जैसे की रेल दुर्घटना, आंधी, तुफान, बाढ़ जैसी परि-स्थतियों में मंडल के कार्यकर्त्ता बिना देरी किए राहत एवं चचाव के कार्य के साथ सफाई व अन्य जरूरी कार्यों में जुट जाते हैं। मंडल के स्वयं सेवक आगनवाड़ी केंद्रों में पानी का जग, नाश्ता के लिए डिश, फल, बिस्कीट तथा पौष्टिक लड्डू का वितरण समय-समय पर करते रहते हैं।

रमजान के महीनें में संस्था की तरफ से विधवा बहनों को अनाज का कीट, एचआईवी ग्रस्त मराजों को कपड़ा तथा आवश्यक वस्तुएं प्रदान की जाती हैं।

14 मुख्यमंत्री करेंगे गुजरात में चुनाव प्रचार

14 साल में बदली गुजरात की चुनावी फिजा

योगी बने भाजपा के तीसरे स्टार प्रचारक

अहमदाबाद (ईएमएस)। गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर गुजरात राज्य में सरगर्मी बड़ी तेजी के साथ बढ़ गई है। 2002 के बाद पहली बार 2017 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के 14 मुख्यमंत्री मिलकर गुजरात में चुनाव प्रचार करेंगे। 2002 के विधानसभा चुनाव के बाद से गुजरात के चुनाव प्रचार का जिम्मा केवल नरेंद्र मोदी के पास होता था। गुजरात में भाजपा के लौह पुरुष लालकृष्ण आडवाणी ही उनके साथी होते थे। गांधीनगर गुजरात से वह सांसद भी हैं । इसके अलावा गुजरात में 2012 तक कोई भी भाजपा का स्टार प्रचारक नहीं बुलाया जाता था। गुजरात के चुनाव प्रचार की पूरी कमान नरेंद्र भाई मोदी संभालते थे। गुजरात नरेंद्र मोदी था, नरेंद्र मोदी ही गुजरात थे।

2017 के विधानसभा चुनाव में अब स्थिति बदली-बदली सी दिख रही है। केंद्र के मंत्री और भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को गुजरात में चुनाव प्रचार की बागडोर सौंपी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं गुजरात का दौरा कर रहे है। उनके साथी वर्तमान में अमित शाह हैं, वह भी लगातार गुजरात में सक्रिय है। गुजरात के मतदाताओं को पहली बार इतने बड़े बड़े स्टार प्रचारको को देखकर है। हैरत हो रही है ऐसा क्या कारण है, कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपने ही प्रदेश में बाहरी लोगों का सहारा लेना पड़ रहा है। इसको लेकर मतदाताओं के बीच भी चर्चाएं होने लगी है।

हिंदू मतदाताओं को लुभाने का जिम्मा इस बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी को दिया गया है। उत्तर प्रदेश से निकलकर वह पहले केरल गए, अब गुजरात आए। उन्हें हिंदू मतदाताओं को लुभाने के लिए अन्य राज्यों में भेजने, भारतीय जनता पार्टी की योजना है। कट्टर छवि के हिंदू नेता के रूप में योगी आदित्यनाथ को हिंदुत्व मॉडल के रूप में भाजपा स्थापित कर रही है। जिसके कारण विश्व हिंदू परिषद और अन्य हिंदूवादी संगठन हैरान है। उनके होते हुए भाजपा के 22 साल पुराने गढ़ गुजरात को बचाने चुनाव पूर्व जो प्रयास हो रहे हैं क्या, वह भाजपा की कमजोरी को उजागर नहीं कर रहे हैं।

नोटबंदी, जीएसटी, पाटीदार आंदोलन, महंगाई, बेरोजगारी, दलित उत्पीड़न को लेकर हिंदू समाज इस चुनाव में बंटा हुआ नजर आ रहा है। जिससे भाजपा की चिंताएं बढ़ गई हैं। भारतीय जनता पार्टी ने इस स्थिति से निपटने के लिए अपनी सारी ताकत गुजरात में झोंक दी है। गुजरात की 25 विधानसभा सीटों में उत्तर भारत के लोग सबसे ज्यादा रहते है। उन सीटों पर योगी के जाने का फायदा भाजपा को होगा। अहमदाबाद, सूरत और दक्षणि गुजरात में योगी का दौरा और जनसभाएं रोड शो कराकर मतदाताओं को प्रभावित करने का हर संभव प्रयास किया जा रहा है। योगी ने वलसाड, सूरत और अहमदाबाद में कई रोड शो करके अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

गुजरात के चुनाव प्रचार के लिए इस बार 14 राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ-साथ, केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज और राजनाथ सिंह को भी मैदान में उतारा जाएगा। चुनाव की कमान अरुण जेटली के पास पहले से ही है।

गुजरात के सोमनाथ में अद्भुत राम मंदिर तैयार

वेरावल (ईएमएस)। गुजरात के सोमनाथ में अद्भुत राम मंदिर बनकर तैयार हो गया है। यह मंदिर राजस्थान से मंगाए गए गुलाबी पत्थरों से तैयार किया गया है। इस मंदिर में प्रथम आराध्य गणेश जी, हनुमान जी, डीसा की देवी और भगवान राम सहित विभिन्न देवी देवताओं की 31 मूर्तियां तैयार की गई है।

इस मंदिर में सभामंडप और गर्भ ग्रह में की गई पत्थरों पर कारीगिरी अद्भुत है। सफेद आस्ट्रेलियन मार्बल से बनाई गई है। मंदिर के प्रवेश द्वार की चौकी में ऑस्ट्रेलियन मार्बल के साथ राज-स्थान के विभिन्न रंगों के पत्थर लगाए गए है। जिनसे इसका आकर्षण काफी बढ़ गया है। मंदिर में 32 अलग-अलग डिजाइन वाली पुतलियां लगाई गई है।

गरीब कल्याण मेले के स्टेज पर मेयर की जम्हाई, कमिश्नर मोबाइल में व्यस्त

वडोदरा। शहर-जिले का गरीब कल्याण मेला सयाजीनगर में शनिवार को आयोजित किया गया। खेल मंत्री राजेंद्र त्रिवेदी की अध्यक्षता में आयोजित इस गरीब कल्याण मेले में मंच पर वडोदरा महानगर पालिका के मेयर जम्हाई लेते हुए और कमिश्नर मोबाइल में व्यस्त दिखाई दिए। इतना ही नहीं, सरकार द्वारा करोड़ों खर्च करने के बाद यह कार्यक्रम आयोजित किया गया, इसमें भाजपा के नेताओं की गैरहाजिरी भी उल्लेखनीय रही। शहर में 880 करोड़ की सहायता? हाल ही में राज्य सरकार ने कई स्थानों पर गरीब मेले का आयोजन किया गया है। इसके तहत आज वडोदरा और डभोई में गरीब कल्याण मेला शहर के सयाजीनगर में आयोजित किया गया। राज्य के खेल मंत्री राजेंद्र तिवारी की अध्यक्षता में इस मेले का आयोजन किया गया। मेले में जब घोषणाएं हो रही थीं, तब वडोदरा महानगर पालका के मेयर लगातार जम्हाई ले रहे थे, दूसरी ओर कमिश्नर मोबाइल में व्यस्त दिखाई दिए। यही नहीं इस मेले में डभोई, पादरा और वाघोडिया के विधायक भी अनुपस्थित रहे मेले में नहीं आए। इस अवसर पर शहर भाजपाध्यक्ष और सांसद रंजनबेन, जिला कलेक्टर पी.भारथी, मेयर भरत डांगर, म्युनिसिपल कमिश्नर डॉ. विनोद राव समेत भाजपा के नेता, कार्यकर्ता और सरकारी अधिकारी भी उपस्थित थे। शहर के 880 करोड़ और जिले के लाभार्थियों को 32 करोड़ की सहायता का वितरण किया गया।

स्वतंत्र ने शनि जी का थीम प

15 वर्षीय किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म किया

कच्छ (ईएमएस)। जिले के सुवई गांव निवासी एक 15 वर्षीय किशोरी का गेलीवाडी में रहनेवाले शख्स ने अपहरण कर उसके साथ तीन दिनों तक दुष्कर्म किया। एक महीने पुराने मामले की रपट दर्ज होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की है।

पीड़ित किशोरी के पिता ने कच्छ जिले के रापर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। जिसमें पीड़िता के पिता ने कहा कि उन्होंने गत 2 सितंबर को अपनी पुत्री को घर भेजा था। उस वक्त आरोपी संदीप धरमशी दर्जी नामक युवक उनके घर आया था और उनकी पुत्री को बहला फुसलाकर अपने साथ ले गया था। तीन दिनों तक गेलीवाडी निवासी संदीप ने उनकी पुत्री को बंधक बना रखा और उस दौरान उसके साथ दुष्कर्म किया। इस संदर्भ में रापर पुलिस ने आरोपी संदीप के खिलाफ दुष्कर्म, पोक्सो और अपहरण का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार करने की दिशा में कवायद तेज की है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक पहले पीड़िता ने माता-पिता के घर जाने से इंकार कर दिया था, जिसकी वजह से कोर्ट ने उसे महिला आश्रम में भेज दिया था। लेकिन जब किशोरी ने माता-पिता के घर जाने की इच्छा जताई तब उसका भाई उसे लेने आया। तब अपहरण और दुष्कर्म का पूरा प्रकरण सामने आया।

बेलगाम ट्रक निजी बैंक में घुस गई, ट्रक ड्राइवर घायल

मोरबी (ईएमएस)। यहां के नेशनल हाईवे से सुबह के दौरान गुजर रहे एक ट्रक के चालक ने स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और बेकाबू ट्रक निजी बैंक में घुस गई। सुबह का समय होने से कोई जानहानि नहीं हुई। घटना में ट्रक चालक घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक मोरबी में नेशनल हाईवे से एक ट्रक तेज रफ्तार में गुजर रहा था, उस वक्त ड्राइवर ने स्टेयरिंग से नियंत्रण गंवा दिया और ट्रक बेकाबू हो गया। बेलगाम ट्रक एक निजी बैंक की ओर मुड़ गया। तेज रफ्तार ट्रक को आते देख बैंक का सिक्युरिटी गार्ड सतर्क हो गया और किसी दुर्घटना से पहले अपनी जगह छोड़ दी। बेलगाम ट्रक बैंक की दीवार से टकरा कर पलटी खा गया। इस घटना में ट्रक चालक रविन्द्रकुमार हीराई मोहन्त घायल हो गया, जिसे फौरन अस्पताल पहुंचाया गया। सुबह का समय होने से कोई जानहानि नहीं हुई। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

बकाया रुपये मांगने पर सोनी ने सोनी को मार डाला

अहमदाबाद (ईएमएस)। शहर के रतनपोल में एक सोनी ने बकाया रुपए मांगने पर दूसरे सोनी की हत्या कर दी। कालूपुर पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार करने की कवायद तेज की है। अहमदाबाद के सेटेलाइट क्षेत्र में दिन दहाड़े घर में घुसकर वृद्धा की हत्या और लूट के 48 घंटे नहीं पूरे हुए थे कि शहर के रतनपोल में एक सोनी ने बकाया रुपए मांगने पर दूसरे सोनी को मौत के घाट उतार दिया। सूत्रों के मुताबिक अहमदाबाद के मेमनगर क्षेत्र के सर्जन टावर निवासी सुभाषचंद्र धीरजलाल सोनी शहर के रतनपोल स्थित रंगोली चैम्बर्स में गुरुकृपा टच नामक दुकान में सोने के परीक्षण का करते हैं। कुछ दिन पहले पूर्वी अहमदाबाद के बापूनगर क्षेत्र निवासी जयेश सोनी नामक सोनी ने सुभाषचंद्र से रु. 10000 का सोना उधार लिया था। सुभाषचंद्र पिछले काफी समय से बकाया रकम जयेश से मांग रहे थे। लेकिन जयेश कोई न कोई बहाना बनाकर टालता रहा। बीते दिन जयेश, सुभाषचंद्र की दुकान पर गया था। जहां फिर एक बार सुभाषचंद्र ने बकाया रुपए जयेश से मांगे। रुपए मांगने पर जयेश आवेश में आकर गाली गलोच करने लगा। इसी बीच जयेश ने अपने पास रखा चाकू निकाला और सुभाषचंद्र पर हमला कर दिया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा 4 ओ-ब्लाक आगम नवकार कॉम्प्लेक्ष सचीन रेल्वे स्टेश के पास,सूरत, जि. सूरत, गुजरात से प्रकाशित, एवं तामीलोक पब्लिकेशन 152,153 श्री राम इंडस्ट्रीयल एरिया पांडेसरा सूरत 394210 से मुद्रत, फोन नं. 9879141480 संपादक सुरेश मौर्या (पी आर बी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी) E-mail: krantisamay@gmail.com